मेहनतकशों का पैग़ाम मेहनतकशों के नाम

मज़दूर मोर्चा

साप्ताहिक

Email : mazdoormorcha1987@gmail.com
www.mazdoormorcha.com

Postal Reg. No. L-2/FBD/463/2018-20 /R.N.I. No. 66400/97

प्राइवेट बस वालों की गुंडागर्दी 3
सामने से लव जिहाद, पीछे से जेब कटाई 4
अन्नदाता पर पानी की बौछारें 5
लव जिहाद कानून से प्रशासनिक अविश्वास बढ़ेगा 6
'चापलूस' न कहें तो क्या कहें प्रो. रुचिरा को 8

वर्ष 34 | अंक 3 | फरीदाबाद | 29 नवम्बर-5 दिसम्बर 2020 | फोन-8851091460 | ₹ 3.00

'मैं खट्टर का हनुमान हूं... मैं जो चाहता हूं, शहर में वही होता है'

भाजपा नेताओं पर गैरकानूनी धंधे का आरोप, 14 लाख हड़पे, पैसे मांगने पर धमकियां

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

करनाल: शहर के कुछ भाजपा नेताओं के खिलाफ चिटफंड, कमेटी चलाने के नाम पर लोगों का पैसा हड़पने की शिकायत मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर से की गई है। शिकायत को सीएम विंडो पर भी भेजा गया है। जिन भाजपा नेताओं के खिलाफ शिकायत की गई है, उसमें वरिष्ठ भाजपा नेता भगवान दास अग्गी, राजेश अग्गी और संजीव शामिल हैं। खास बात यह है कि राजेश अग्गी का नाम खट्टर की पसंद के मुताबिक हाल ही में भाजपा की ओर से सीनियर डिप्टी मेयर पद के लिए प्रस्तावित किया गया था, जिसे समस्त पार्षदों ने नानुकर करने के बाद मान लिया। समझा जाता है कि ताजा मामला भी पार्षदों की नाराजगी के बाद सामने आया है। अग्गी परिवार पर लगाये गए आरोप ये भी बताते हैं कि करनाल भाजपा के कुछ नेता किस तरह खट्टर के नाम का इस्तेमाल कर अपना धंधा चला रहे हैं।

भाजपा नेता और सीनियर डिप्टी मेयर राजेश अग्गी के पिता भगवान दास लंबे समय तक रामनगर इलाके से पार्षद रहे हैं। इस वजह से पूरा परिवार भाजपा से जुड़ा हुआ है और करनाल में काफी प्रभावशाली माना जाता है। भगवान दास के दो बेटे हैं, जिनमें राजेश के अलावा संजीव अग्गी भी है।

न्यू प्रेमनगर करनाल के रहने वाले जतिन बहल ने सीएम विंडो पर भेजी गई शिकायत में कहा कि संजीव ने अपने पिता और भाई का हवाला देते हुए कहा कि हम लोग चिटफंड और गैरकानूनी कमेटियों (जिसमें

मेयर के साथ सीनियर डिप्टी मेयर और सीनियर मेयर

लोगों का समूह पैसे लगाता है) के जरिये मोटा पैसा कमा रहे हैं। वह भी उनके साथ पैसा लगाये। जतिन बहल का आरोप है कि संजीव अग्गी के झांसे में आकर उसने 14,50,000 रुपये उनके गलत धंधे में लगा दिए। इससे पहले संजीव कई बार जतिन से पैसे लेकर वापस कर चुका था तो जतिन को उस पर विश्वास हो गया था। इस वजह से भी उसने पैसे संजीव के गलत कारोबार में लगा दिए।

जतिन ने 14 लाख रुपये का ब्यौरा देते हुए आरोप लगाया कि संजीव ने उससे पांच लाख रुपये कमेटी डालने के नाम पर लिए। इसके बाद साढ़े नौ लाख रुपये संजीव ने उससे अलग-अलग तारीखों पर अपनी जरूरत बताकर लिए थे। जिसके पूरे सबूत उसके पास मौजूद हैं। जतिन ने जब पैसे वापस मांगे तो संजीव टालमटोल करने लगा। आरोप है कि फिर उसने अपने पिता भगवान दास और राजेश अग्गी की भाजपा में पहुंच और सीएम से सीधे संबंधों का हवाला देकर कहा कि वे लोग जतिन की सरकारी नौकरी लगवा देंगे। लेकिन उसने इन्कार कर दिया।

इस बीच शहर में और लोगों ने भी संजीव से उधार दिए गए पैसे मांगने शुरू कर दिए। जतिन बहल के मुताबिक संजीव अग्गी ने फेसबुक पर पोस्ट डाली, जिसमें संजीव ने लिखा कि या तो वो अपने शरीर के अंग बेच देगा या फिर खुदकुशी कर लेगा। क्योंकि लोग उससे अपने दिये हुए पैसे मांग रहे हैं, जो उसके पास नहीं हैं। इसी दौरान संजीव का मामला लोकल टीवी चैनल पर उछला, जिसमें कहा गया कि संजीव अग्गी ने शहर से इस तरह करोड़ों की ठगी की है। जतिन बहल ने एक बार फिर से अपने पैसे संजीव अग्गी से मांगे। संजीव ने उससे कहा कि अभी उसके पास पैसे नहीं हैं। वो उसके पिता भगवान दास और बड़े भाई राजेश अग्गी से बात कर ले।

जतिन बहल का आरोप है कि जब वह राजेश अग्गी और भगवान दास से बात करने गया और अपने पैसे वापस मांगे। इस पर दोनों बिगड़ गये। भगवान दास ने मुझे धमकाते हुए कहा कि तुम हमें नहीं जानते हो। मैं सीएम का हनुमान हूं। इस शहर में जो मैं चाहता हूं, वो होता है। इसलिए जो मिलता है, वो ले लो। भलाई इसी में है। अन्यथा झूठे मुकदमों में जेल की हवा खानी पड़ेगी। संजीव के पास पैसे नहीं हैं, और न वह तुमको देगा। अगर फैसला चाहते हो तो जो रकम तुमने दी थी, उसका 10-15 फीसदी मिल जायेगा। इसी पर समझौता कर लो।

जतिन के मुताबिक उसके पिता और जीजा ने संजीव को फोन कर पैसे मांगे और कहा कि उनका बेटा टेंशन में है, कुछ कर न बैठे। इसके बाद मेरे पिता और जीजा शहर के प्रतिष्ठित लोगों के साथ पंचायत करने संजीव के घर गए। वहां संजीव ने सभी की बेइज्जती की। इसके बाद सीनियर डिप्टी मेयर ने अपनी राजनीतिक पहुंच का इस्तेमाल करते हुए रामनगर थाने में फोन किया। उसके बाद थाने की पुलिस बार-बार हमें पेश होने के लिए थाने बुलाती रही। पुलिस ने भी हम पर समझौते का दबाव बनाया। इस घटना से बहुत पहले जतिन बहल ने थाने में संजीव अग्गी के खिलाफ शिकायत की थी। पुलिस ने उस पर कोई कार्रवाई नहीं की लेकिन बार-बार जतिन बहल और उसके परिवार को धमकाया गया। हमसे कुछ पैसे लेकर समझौता करने को कहा गया। इसके बाद 10 नवम्बर को कुछ पुलिस वाले जतिन बहल के घर की तलाशी लेने भी पहुंच गए। यह सारी कार्रवाई सीसीटीवी में रेकॉर्ड है। हमें फिर थाने बुलाया गया, वहां पुलिस वालों ने सीनियर डिप्टी मेयर राजेश अग्गी और संजीव अग्गी से समझौता करने को कहा। थाने में कहा गया कि समझौता नहीं किया तो हम तुम्हें झूठे मुकदमे में फंसा देंगे।

जतिन बहल ने सीएम खट्टर से अपील की है कि वह संजीव अग्गी, राजेश अग्गी से उसके पैसे वापस दिलाये और रामनगर पुलिस के आतंक से भी उन्हें बचाया जाय। किसी निष्पक्ष जांच एजेंसी से सारे मामले की जांच कराई जाए।

24 नवम्बर को भेजे गए इस पत्र पर अभी तक मुख्यमंत्री ने अपने ही शहर के इन भाजपा नेताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। इस संबंध में पुलिस को भी कोई निर्देश नहीं मिला है। लेकिन सारे शहर और हरियाणा में जतिन बहल की इस शिकायत और भाजपा नेताओं के आतंक की चर्चा है।

डीईईओ रितु चौधरी के सेलबैंक की मची धूम, सरकारी स्कूलों के 150 बच्चों को बांटे गए मोबाइल

डीसी फरीदाबाद यशपाल यादव ने अभियान की प्रशंसा की

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

फरीदाबाद: सरकारी स्कूलों के गरीब और प्रतिभाशाली बच्चों के बीच सेलफोन बैंक धूम मचा रहा है। स्कूलों में कार्यक्रमों का आयोजन कर गरीब और प्रतिभाशाली बच्चों को मोबाइल फोन बांटे जा रहे हैं, ताकि ऐसे बच्चे भी आनलाइन पढ़ाई का अपना सपना पूरा कर सकें। कोविड19 की वजह से स्कूल बंद पड़े हैं और बच्चे घरों से ही ऑनलाइन पढ़ाई कर रहे हैं। रसूखदार बच्चों को तो हर सुविधा की तरह मोबाइल फोन भी उपलब्ध है, लेकिन सरकारी स्कूलों में ऐसे गरीब और प्रतिभाशाली बच्चों की संख्या ज्यादा है जिनके पास आनलाइन पढ़ाई के लिए स्मार्टफोन उपलब्ध नहीं है। ऐसे ही बच्चों के सपनों को साकार करने में जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी (डीईईओ) रितु चौधरी तन, मन, धन से जुटी हुई हैं।

पाठकों को याद होगा कि मजदूर मोर्चा ने अपने 15-21 नवम्बर के अंक में इस पर विस्तार से रोशनी डाली थी कि किस तरह एक महिला अधिकारी सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले गरीब और प्रतिभाशाली बच्चों की जिन्दगी में नये रंग बिखेर रही हैं।

इस हफ्ते 24 और 27 नवम्बर को मोबाइल बांटने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी फरीदाबाद और रोटरी क्लब फरीदाबाद आस्था के संयुक्त तत्वाधान में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर 7 फरीदाबाद में सरकारी स्कूलों के गरीब, एकल अभिभावक वाले प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को 100 स्मार्टफोन बांटे गए। समारोह के मुख्य अतिथि फरीदाबाद के डीसी यशपाल यादव थे जबकि अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी सतिंदर कौर वर्मा ने की।

इस मौके पर जिला उपायुक्त यशपाल यादव ने जिला मौलिक शिक्षा विभाग और रोटरी क्लब का गरीब प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को मोबाइल वितरण का रचनात्मक कार्य करने के लिए आभार जताया। यादव ने कहा कि शिक्षा एक जीवंत

डीसी यशपाल यादव एक छात्रा को मोबाइल देते हुए

प्रक्रिया है। वैश्विक महामारी के दौरान ई-लर्निंग में कोई बाधा ना हो इसके लिए गरीब प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को मोबाइल वितरण के इस अभियान को सार्थक करने के लिए विद्यार्थियों से अच्छे

शेष पेज दो पर